पी. जी. डिप्लोमा वास्तुशास्त्र – 2023–24
अवधि– एक वर्ष,

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र का निर्माण

नोटः– इस परीक्षा सत्र में तीन लिखित प्रश्न–पत्र एवं एक प्रायोगिक परीक्षा होगी। प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र एवं प्रायोगिक परीक्षा के 100 अकं होगें। लिखित परीक्षा की अवधि 3 घण्टे की होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण हिन्दी में होगा।**

प्रत्येक प्रश्न पत्र में तीन खण्ड है।

खण्ड 'अ' – **20 अंक**

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेगें, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।
3. अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' **35 अंक**

1. प्रत्येक ईकाई में दो प्रश्न पूछे जायेगें।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पॉच प्रश्नों के उत्तर देने है, प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का होगा।
3. अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' **45 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेगें। तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।
3. अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

प्रथम प्रश्न पत्र

DP – VS – SANS – 7011 वास्तुशास्त्र परिचय, पंचमहाभूत तथा भूमिचयन

इकाई – 1

(i) वास्तु का सक्षिप्त परिचय
(ii) वास्तुशास्त्र के भेद

इकाई – 2

(i) वास्तुशास्त्र के मानक ग्रन्थों का परिचय
(ii) वास्तुशास्त्र की उपयोगिता

इकाई – 3

(i) पंचमहाभूतों का परिचय
(ii) वास्तुशास्त्र में पचंमहाभूतों की उपयोगिता

इकाई – 4

(i) भूमि की गुणवत्ता
(ii) भूमि के दोष
(iii) भूमि के प्लवत्व

इकाई – 5

(i) भूखण्ड चयन विधि
(ii) भूमि शोधन
(iii) भूमि के आकार – प्रकार
(iv) दिक् परिचय एवं साधन

सहायकग्रन्थ

बृहद्संहिता–वास्तुविद्याघ्याय	–	वराहमिहिर
समरागंण सूत्रधार	–	भोजराज
बृहद्वास्तुमाला	–	रामनिहोरद्विवेदी
वास्तुरत्नावली	–	
मनुष्यालय चन्द्रिका	–	नीलकण्ठ
मुहूर्त चिन्तामणि	–	रामाचार्य
भारतीय वास्तुशास्त्र	–	प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
वास्तुसार	–	प्रो. देवीप्रसार त्रिपाठी
भारतीय वास्तुविद्या के वैज्ञानिक आधार–		डॉ. बिहारीलाल शर्मा
वास्तुदर्शन	–	डॉ. पी.वी. ओसेफ
वास्तु प्रबोधिनी	–	डॉ. विनोद शास्त्री
विधिमार्गप्रपा	–	नाट्यशास्त्र
सम्पूर्ण वास्तु–विज्ञान	–	डॉ. भोजराज द्विवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र
DP – VS – SANS – 7012 पंचांग परिचय, गृहारम्भ एवं पिण्डसाधन

इकाई – 1
(i) पंचांग परिचय (तिथि, वार नक्षत्र, योगत्र करण)
(ii) मुर्हूत परिचय

इकाई – 2
(i) लग्न ज्ञान, सारिणी द्वारा
(ii) स्पष्ट ग्रह परिचय पचांग द्वारा

इकाई – 3
(i) गृहारम्म में विहितमास
(ii) राहुमुख पुच्छ विचार (खाता विधि)
(iii) भूमिशयन विचार

इकाई – 4
(i) गृहारम्म मुहूर्त
(ii) गृह प्रवेश मुहूर्त

इकाई – 5
(i) वर्ग एवं काकाणी विचार
(ii) भूखण्ड की लम्बाई – चौडाई एवं क्षेत्रफल
(iii) आयादि विचार
(iv) पिण्ड साधन

सहायकग्रन्थ

बृहद्संहिता–वास्तुविद्याघ्याय	–	वराहमिहिर
समरागंण सूत्रधार	–	भोजराज
बृहद्वास्तुमाला	–	रामनिहोरद्विवेदी
वास्तुरत्नावली	–	
मनुष्यालय चन्द्रिका	–	नीलकण्ठ
मुहूर्त चिन्तामणि	–	रामाचार्य
भारतीय वास्तुशास्त्र	–	प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
वास्तुसार	–	प्रो. देवीप्रसार त्रिपाठी
भारतीय वास्तुविद्या के वैज्ञानिक आधार	–	डॉ. बिहारीलाल शर्मा
वास्तुदर्शन	–	डॉ. पी.वी. ओसेफ
वास्तु प्रबोधिनी	–	डॉ. विनोद शास्त्री
विधिमार्गप्रपा	–	नाट्यशास्त्र
सम्पूर्ण वास्तु–विज्ञान	–	डॉ. भोजराज द्विवेदी

तृतीय प्रश्न पत्र

DP – VS – SANS – 7013 वास्तुशास्त्रीय पदविन्यास, पर्यावरण एवं क्षेत्रीयवास्तुविचार

इकाई – 1

(i) वास्तुशास्त्र में पदविन्यास

(ii) शिलान्यास विधि

इकाई – 2

(i) सोपान विचार

(ii) जल विधान

इकाई – 3

(i) वास्तु एवं पर्यावरण

(ii) वास्तु के अनुरूप शुभाशुभ विचार

इकाई – 4

(i) वास्तु सम्मत योज्यायोज्य चित्र

(ii) वास्तु दोष निवारण एवं शान्ति

इकाई – 5

(i) औद्योगिक

(ii) वाणिज्यिक केन्द्र

(iii) शैक्षणिक संस्थान

(iv) चिकित्सालयीय वास्तु

सहायकग्रन्थ

बृहद्संहिता–वास्तुविद्याध्याय	–	वराहमिहिर
समरागंण सूत्रधार	–	भोजराज
बृहद्वास्तुमाला	–	रामनिहोरद्विवेदी
वास्तुरत्नावली	–	
मनुष्यालय चन्द्रिका	–	नीलकण्ठ
मुहूर्त चिन्तामणि	–	रामाचार्य
भारतीय वास्तुशास्त्र	–	प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
वास्तुसार	–	प्रो. देवीप्रसार त्रिपाठी
भारतीय वास्तुविद्या के वैज्ञानिक आधार–		डॉ. बिहारीलाल शर्मा
वास्तुदर्शन	–	डॉ. पी.वी. ओसेफ
वास्तु प्रबोधिनी	–	डॉ. विनोद शास्त्री
विधिमार्गप्रपा	–	नाट्यशास्त्र
सम्पूर्ण वास्तु–विज्ञान	–	डॉ. भोजराज द्विवेदी

चतुर्थ प्रश्न पत्र
DP – VS – SANS – 7014 प्रायोगिक परीक्षा

1. प्रायोगिक परीक्षा